श्री चित्रगुप्ताय
नमः

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा

(एक गैर राजनैतिक संगठन)
कार्यालय अध्यक्ष : 470, राधिका विहार मथुरा –281004
प्रान्तीय कार्यालय : उ.प्र. : 11–बी, दारुलसफा,
विधायक निवास, लखनऊ – 226010

पंजीयन संख्या : 5680 / 80-81

लखनऊ 0522-2201303
मथुरा 0565-2422022, 2422499
फैक्स : 0565-2425606
e-mail : vishapa@gmail.com

दिनांक – 02-10-2010

समस्त जिलाध्यक्ष, महामंत्री, कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रिय चित्रांश भाइयों,

सर्वप्रथम आप सभी को "कायस्थ चेतना रथ यात्रा" में सकिय एवं प्रशंसनीय सहभागिता के लिये ढेर सारी शुभकामनायें और जनपद का चित्रांश आप के नेतृत्व से आश्वस्त होकर और भी आशान्वित हो गया है।

मित्रों हमारी यह एकता एवं संगठन क्षमता ही हमारे प्रदेश के लिये अभिशाप सिद्ध हुई है परिणाम स्वरुप पूरे प्रदेश की प्रान्तीयकार्यकारिणी को निलम्वित कर भंग करने का फरमान उन लोगों द्वारा निर्गत कर दिया गया जो स्वंय अपना अस्तित्व बचाने के लिये, रजिस्ट्रार फर्म्स एवं सोसाइटीज आगरा के यहाँ चक्कर लगा रहे है, (प्रमाण स्वरुप उप–निबन्धक फर्म्स एवं सोसाइटीज, एक सक्षम अधिकारी के यहाँ से निर्गत प्रपत्र) कृपया पढ़े, और विचारे कि अभी भी वास्तविकता से आखें बन्द किये हुये, प्रदेश को वांटकर उन लोगो को सौंपने की कवायद की है, जो कि इनके हाथ की कठपुतलियाँ हैं। जब कि इनके द्वारा दिनांक 06.07.2010 एवं इससे पूर्व के सभी आदेश विधिमान्य न होकर असंम्वैधानिक है क्योंकि इनका कोई भी चुनाव विधिक नही था, फलस्वरुप ये अ.भा.का.म. के वैधानिक राष्ट्रीय अध्यक्ष ही नही रहे, लेकिन समाज में विरले ही होते है जो कि लक्ष्मी के पुजारी न होकर समाज सेवा, मानव सेवा मे विश्वास रखते हो, यह भी अपवाद नही रहे, और उस लक्ष्मी को अपनी तिजोरी में कैद करने के उद्देश्य से एक दिल्ली में ट्रस्ट बना डाला और समाज के 42 लाख 48 हजार रु. से जमीन खरीदी जो कि आज करोड़ो की है और उस पर इन्हीं का अधिकार है, उस समाज का उस पर कोई अधिकार नही जिसने ग्यारह–ग्यारह हजार रुपया दिया, आज वही समाज को गुमराह कर, विभिन्न प्रदेशों में बैठके आयोजित कर रहे है, और फिर सभी को अन्य बैठको की भांति 11000/– रु. की इकाई मे लाखों रु. ट्रस्ट के लिये और हजारों रुपये का कायस्थ पत्रिका में विज्ञापन देने के लिये लक्ष्य निर्धारित कर रहे है, जिनकी दिलचस्पी गरीव के आंसू पोछने में, गरीव बच्चों की पढ़ाई में, राजनैतिक चेतना में अथवा समाज के उत्थान में, समाज की वेरोजगारी दूर करने में, समाज के युवक–युवतियों की शादी में न होकर स्वंय के उत्थान में ही होती हैं। बन्धुओं जिसके सम्बन्ध में अब यहाँ पर निम्न प्रश्न उभरते है कि –

(1) क्या उस काल्पनिक कायस्थ प्रेरणा केन्द्र का संविधान आपने देखा अथवा पढ़ा?
(2) क्या इससे कायस्थ समाज अथवा आपका कल्याण होगा?
(3) क्या ग्यारह हजार का ट्रस्टी बनने के बाद आपको अथवा आपके नामित व्यक्ति को क्या अधिकार प्राप्त होगा, यह जानकारी है?

श्री चित्रगुप्ताय
नमः

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा

(एक गैर राजनैतिक संगठन)
कार्यालय अध्यक्ष : 470, राधिका विहार मथुरा –281004
प्रान्तीय कार्यालय : उ.प्र. : 11–बी, दारुलसफा,
विधायक निवास, लखनऊ – 226010

पंजीयन संख्या : 5680 / 80-81

लखनऊ : 0522-2201303
मथुरा : 0565-2422022, 2422499
फैक्स : 0565-2425606
e-mail : vishapa@gmail.com

(4) क्या आप कभी स्वतन्त्र रुप से निर्वाचित होकर प्रबन्ध कारिणी में जा सकते हैं?
(5) क्या आप कभी इस संस्था के चेयरमैन बन सकते है?
(6) क्या इसके अन्तर्गत भविष्य में चलने वाली किसी भी शिक्षण अथवा व्यवसायिक संस्थान में आपके बच्चे को प्राथमिकता मिलेगी?

उत्तर है– नही, कभी नही,

तो फिर क्या आप और हम ग्यारह हजार रु. का दण्ड इसलिये दे रहे कि हमने कायस्थ कुल में जन्म लिया, तथा इनके सम्पर्क मे आया और इन्हें आंख बन्द कर अपना हितैषी माना, ध्यान रखिये जितनी भी धोखाधड़ी अथवा इस तरह के वाकया अतिविश्वास में ही होते है और वास्तविकता ज्ञात होने पर पश्चाताप के अतिरिक्त कुछ भी हाथ नही लगता। उपरोक्त तथ्यों की सत्यता जानने के लिये इस प्ररेणा केन्द्र का संविधान मांगे, पढ़े और समझे उससे यदि सन्तुष्ट नही हैं तो अपना पैसा, खरीदी गई भूमि जो कि आज लगभग 4 करोड़ की है के समानुपात में अपनी गाढ़ी कमाई की वापसी की मांग कर सकते है, फिर भी जानकारी हेतु इस ट्रस्ट की रजिस्टर्ड ट्रस्ट डीड **www.abkmup.in** के **Home** पेज की **Circular** लिंक पर उपलब्ध है, अथवा मुझे पत्र लिखकर उपलब्ध फोटोकापी मगवा सकते हैं।

यह कैसे कायस्थ समाज के हित चिन्तक है जिन्होने स्वंय अपने स्वार्थ के लिये समाज को वांट डाला, कायस्थों को गृह युद्ध में झोंक दिया, जब कि यह समाज पहले से ही खण्डित, और विखण्डित है जो कि अपनी अस्मिता एवं वर्चस्व की लड़ाई दूसरे समाजो से लड़ रहा है, अव उसे अपनों से भी लड़ना पडेगा। फैसला आपका है, आपने इनकी अनेको बैठको में विगत सालो साल से भाग लिया, मिला क्या? मिला तो सिर्फ व्यय–भार, सब्जवाग, दिन भर की थकान, मानसिक शोषण आदि आदि – सोचे और फैसला करें कि हम क्या कर रहे है, क्यों कर रहे है, और किसके लिये कर रहे है। अभी भी वक्त है पहचानें भेड़ की खाल ओढ़े हुये भेड़ियों को, जोकि समाज को निगलते जा रहे हैं।

जय चित्रगुप्त, जय चित्रांश
अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिन्दाबाद,

आपका ही अपना

(ए. के. श्रीवास्तव)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतीय कायस्थ महासभा
फोन न. 09412280171

विशेष आग्रह :– कृपया इस पत्र को कार्यकारिणी की बैठक में सभी को पढ़ कर सुनायें एवं मांगने पर छाया प्रति उपलब्ध कराने की कृपा करें।